



आदर्श अखबार

आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, AIMS धामनोद का
विद्यार्थियों के लिए एक निःशुल्क उत्कृष्ट प्रकाशन

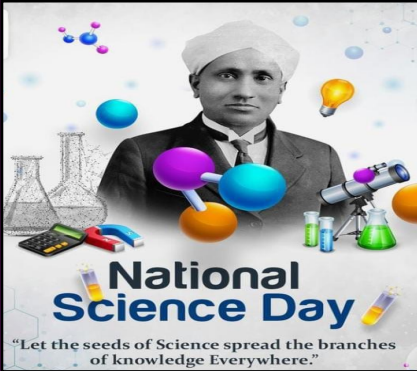
1 मार्च 2026 क्र. 21

Happy Holi



विज्ञान दिवस विशेष

पूरे देश में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस उत्साह और प्रेरणा के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन महान भारतीय वैज्ञानिक C. V. Raman द्वारा 1928 में की गई 'रमन प्रभाव' की खोज की स्मृति में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को मनाया जाता है। उनकी इस ऐतिहासिक खोज ने भारत को वैश्विक वैज्ञानिक पहचान दिलाई थी।

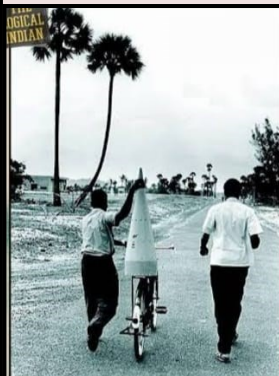


इस अवसर पर देशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में विज्ञान प्रदर्शनी, मॉडल प्रतियोगिता, क्विज, भाषण तथा संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता का परिचय दिया। शिक्षकों और वैज्ञानिकों ने युवाओं को अनुसंधान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मजबूत करना और नई पीढ़ी को विज्ञान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि विज्ञान ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त आधारशिला है।

कहानी भारतीय विज्ञान की , कहानी सपनों की उड़ान की

भारत के पहले रॉकेट लॉन्च कहानी साहस, सादगी और बड़े सपनों की है। इसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:
तारीख और स्थान: भारत का पहला रॉकेट 21 नवंबर 1963 को केरल के तिरुवनंतपुरम के पास थुम्बा (Thumba) से लॉन्च किया गया था। इस स्थान को इसलिए चुना गया क्योंकि यह पृथ्वी के चुंबकीय भूमध्य रेखा (Magnetic Equator) के बहुत करीब था।



साइकिल और बैलगाड़ी का सफर: संसाधनों की कमी के कारण रॉकेट के हिस्सों और उपकरणों को लॉन्च पैड तक साइकिल और बैलगाड़ी पर लादकर ले जाया गया था। रॉकेट का 'नोज कोन' साइकिल के पीछे रखकर ले जाया गया, जिसकी तस्वीरें आज भी ऐतिहासिक मानी जाती हैं।

चर्च बना ऑफिस: वैज्ञानिकों के पास काम करने के लिए कोई आलीशान ऑफिस नहीं था। थुम्बा का सेंट मैरी मैग्डलीन चर्च (St. Mary Magdalene Church) मुख्य कार्यालय बना और पादरी का घर वर्कशॉप के रूप में इस्तेमाल किया गया। एक पुरानी गौशाला (Cattle shed) को प्रयोगशाला बनाया गया था।
रॉकेट का नाम: इस पहले साउंडिंग रॉकेट का नाम नाइक-अपाचे (Nike-Apache) था, जिसे अमेरिका (NASA) से मंगाया गया था।

INDIAN SCIENTISTS WHO CHANGED THE WORLD

#NationalScienceDay



APJ Abdul Kalam

- APJ Kalam was an Indian scientist who worked as an Aerospace Engineer with Defence Research and Development Organisation (DRDO) and Indian Space Research Organisation (ISRO).
- The satellite ROHINI was successfully in 1980 under his guidance.



CV Raman

- Sir CV Raman won the Nobel Prize for Physics in 1930 for his pioneering work on scattering of light.
- He investigated the harmonic nature of the sound of Indian drums, such as tabla and mridangam.



S. Chandrasekhar

- Subrahmanyan Chandrasekhar was awarded the 1983 Nobel Prize for Physics for his mathematical theory of black holes.
- His work involved studying on energy transfer by radiation in stellar atmospheres and convection on the solar surface.



Homi J. Bhabha

- HJ Bhabha is acknowledged as the father of Indian nuclear power.
- He was the first to become the Chairman of the Atomic Energy Commission of India.



Srinivasa Ramanujan

- S. Ramanujan studied the partition function $P(n)$ extensively and gave a non-convergent asymptotic series.
- He was elected a Fellow of the Royal Society in 1918, one of the youngest Fellows in the history of the Royal Society, for his "Investigation in Elliptic functions and the Theory of Numbers."

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा



फ्रांस के राष्ट्रपति Emmanuel Macron हाल ही में भारत के आधिकारिक दौर पर आए। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने भारत की तकनीकी प्रगति, डिजिटल विकास और नवाचार की सराहना की। राष्ट्रपति मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें रक्षा, व्यापार, शिक्षा, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प लिया। फ्रांस ने भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के अवसर बढ़ाने और वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने की भी घोषणा की। यह यात्रा भारत और फ्रांस के बीच बढ़ती दोस्ती और मजबूत होते संबंधों का प्रतीक मानी जा रही है। यह दौरा दोनों देशों के भविष्य के सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।



प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा – मित्रता और सहयोग को नई ऊँचाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 से 26 फरवरी 2026 तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण दौरा माना जा रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री Benjamin Netanyahu ने इस यात्रा की घोषणा करते हुए भारत और इजराइल के बीच “जबर्दस्त गठबंधन” का जिक्र किया है और दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई है। इस दौर के दौरान प्रधानमंत्री मोदी इजराइली संसद (नेसेट) को संबोधित कर सकते हैं और दोनों देशों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत करेंगे। व्यापार, तकनीक, सुरक्षा, रक्षा तथा ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

भारत और इजराइल के बीच कूटनीतिक सम्बन्ध समय के साथ और गहरे हुए हैं, और यह दौरा उन मजबूत साझेदारियों को और प्रोत्साहन देगा। दोनों नेताओं के बीच बातचीत से नए निवेश, रक्षा सहयोग और तकनीकी साझेदारी को भी बल मिलने की उम्मीद है। इस प्रकार की उच्च-स्तरीय बैठक से भारत-इजराइल के बीच मित्रता और पारस्परिक विश्वास को मजबूती मिल रही है, जिससे क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर स्थिरता और साझेदारी को नए अवसर मिलेंगे।



देश परिचय : इजराइल

देश का नाम: इजराइल

राजधानी: यरुशलम

सबसे बड़ा शहर: तेल अवीव

स्थापना: 14 मई 1948

मुद्रा: इजराइली न्यू शेकेल (ILS)

आधिकारिक भाषा: हिब्रू (मुख्य), अरबी भी मान्यता प्राप्त

महाद्वीप/क्षेत्र: एशिया (मध्य पूर्व)

भौगोलिक स्थिति: इजराइल मध्य पूर्व में स्थित है। इसके पड़ोसी देश हैं –लेबनान (उत्तर), सीरिया (उत्तर-पूर्व), जॉर्डन (पूर्व), मिस्र (दक्षिण-पश्चिम) यह देश भूमध्य सागर के किनारे स्थित है।

जनसंख्या और धर्म

इजराइल की जनसंख्या लगभग 95 लाख से अधिक है।

यहाँ यहूदी धर्म प्रमुख है, लेकिन इस्लाम, ईसाई और अन्य धर्मों के लोग भी रहते हैं।

विज्ञान और तकनीक

इजराइल को “स्टार्ट-अप नेशन” कहा जाता है। यह देश तकनीक, कृषि, रक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत आगे है। यहाँ की सिंचाई तकनीक (ड्रिप इरिगेशन) पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है।

भारत-इजराइल संबंध

भारत और इजराइल के बीच 1992 से पूर्ण राजनयिक संबंध हैं। दोनों देश रक्षा, कृषि, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग करते हैं।



विश्व :

*अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर हमला कर 15 से अधिक चौकियों पर कब्जा कर लिया, जिसमें दर्जनों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। तालिबान ने पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक का बदला लिया, जबकि पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की। सीमा पर हिंसा महीनों से जारी है, जिसमें नागरिक हताहत भी हुए।

*पीएम नरेंद्र मोदी इजरायल पहुंचे, जहां संसद ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान दिया और नेतन्याहू ने 'एशिया के शेर' कहा।

*डेनमार्क ने चुनाव का ऐलान किया।



*नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप ने एग नेबुला का अब तक का सबसे स्पष्ट दृश्य दिखाया है। गैस और धूल से बनी यह संरचना एक मरते हुए, सूर्य जैसे तारे द्वारा निर्मित की गई थी। ये नवीनतम अवलोकन हबल के वाइड फ़िल्ड कैमरा 3 से लिए गए हैं।

*इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर बड़े हमले जारी रखे हैं, जिससे ईरान भी मिसाइलों और ड्रोन से पलटवार कर रहा है, और इस बीच लेबनान का हेज़बोल्लाह भी युद्ध में कूद गया है। तनाव के कारण मध्य-पूर्व में स्थिति गंभीर बनी हुई है और शांति की अपील तेज़ हो गई है।

देश :

*PM मोदी ने रखी नॉर्थ इंडिया की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की नींव, कहा- 'ये चिप होगी विकास की नई आत्मा'

*भारत सरकार ने शिक्षा और तकनीक को जोड़ते हुए देशभर में डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

*सरकार का लक्ष्य है कि हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे, चाहे वह शहर में हो या ग्रामीण क्षेत्र में।

*नई नीतियों के तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और स्मार्ट क्लासरूम को प्राथमिकता दी जा रही है।

*इस पहल से छात्रों की सीखने की गति और समझने की क्षमता में सुधार होगा।

*शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक से पढ़ाई अधिक रुचिकर बनेगी।

*इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी आसान होगी।

*सरकार द्वारा शिक्षकों को भी डिजिटल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

*नई व्यवस्था से शिक्षा में समानता और अवसरों का विस्तार होगा।

*यह कदम भारत को ज्ञान-आधारित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ाएगा।

*छात्रों और अभिभावकों ने इस पहल का स्वागत किया है।

प्रदेश :

*MP ने लगातार दूसरी बार जीता 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म अवॉर्ड'; मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दी बधाई।

*SATTE 2026 Best State Tourism Award: मध्यप्रदेश ने SATTE 2026 में लगातार दूसरे वर्ष 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म' अवॉर्ड जीता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एमपी पर्यटन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान बना रहा है। खजुराहो, सांची, भीमबेटका, टाडगर रिजर्व और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने वाले प्रयासों से एमपी देश का अग्रणी पर्यटन राज्य बन रहा है।

वंदे मातरम पर नवीनतम निर्णय और देशव्यापी चर्चा

वंदे मातरम पर नवीनतम निर्णय और देशव्यापी चर्चा

केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं।

नए नियमों के अनुसार, सरकारी कार्यक्रमों, विद्यालयों एवं अन्य आधिकारिक आयोजनों में वंदे मातरम का गायन अनिवार्य किया गया है।

इसके उपरांत राष्ट्रगान जना गना मना प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि राष्ट्रीय सम्मान की परंपरा का पालन सुनिश्चित हो सके।

सरकार का मत है कि यह निर्णय देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

वहीं, कुछ राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों ने इस निर्णय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे बहस का विषय बताया है।

वर्तमान में यह मुद्दा देशभर में चर्चा का केंद्र बना हुआ है और विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी राय रख रहे हैं।

आदर्श महाविद्यालय में घोषित हुआ PU परीक्षा का परिणाम



आदर्श महाविद्यालय में PUT FEB-2025-26 का रिजल्ट दिनांक 28-02-2026 को घोषित कर दिया गया है, समस्त विद्यार्थी नीचे दी गई लिंक पर क्लिक कर ओर रोल नंबर इंटर कर अपना परीक्षा परिणाम जांच सकते हैं।

<https://aimsddhamnod.com/put2026.html>

खेल समाचार :

*कुश्ती रैंकिंग सीरीज मुहामेत मालो 2026 का शेड्यूल 24 फरवरी को जारी हुआ।

*पंकज आडवाणी ने फरवरी में राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियनशिप जीती, जो उनका 36वां खिताब था, और एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए।

*स्वदेश में न्यूजीलैंड के हेड प्रो टूर के मैच 13-14 फरवरी को हुए।

*टी20 विश्व कप 2026 में 15 फरवरी को भारत ने कोलंबो में पाकिस्तान को हराया, जहाँ पाकिस्तान ने टॉस जीता लेकिन भारत ने 176 रनों का लक्ष्य चेज करते हुए जीत दर्ज की।

*21 फरवरी को भारत, दक्षिण अफ्रीका से 76 रनों से हार गया, जिससे नेट रन रेट प्रभावित हुआ।

*26 फरवरी को भारत ने चेन्नई में जिम्बाब्वे को रौंदा, 256 रनों का वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

*1 मार्च को भारत, वेस्ट इंडीज को हरा कर सेमी फाइनल में पहुँचा। संजू सेमसन को 97 रन बनाने पर मिला प्लेयर ऑफ़ द मैच।

निमाड़ के आदिवासियों की संस्कृति

भगोरिया मेला मध्य प्रदेश (विशेषकर झाबुआ, अलीराजपुर, धार, खरगोन, बड़वानी) के भील, भिलाला और बारेली जनजाति द्वारा होली से सात दिन पहले मनाया जाने वाला एक प्रसिद्ध पारंपरिक आदिवासी उत्सव और हाट है। यह प्रेम, विवाह और वसंत ऋतु के आगमन का उत्सव है, जिसमें आदिवासी युवा अपने जीवनसाथी चुनते हैं, रंग गुलाल लगाते हैं, पारंपरिक नृत्य (जैसे- मांदल) करते हैं और खरीदारी करते हैं। 2026 में यह उत्सव 24 फरवरी से 2 मार्च के बीच आयोजित किया जा रहा है। भगोरिया मेले की मुख्य विशेषताएँ: विवाह हाट: पारंपरिक रूप से, यह एक तरह का स्वयंवर है जहाँ युवा लड़के-लड़कियाँ एक-दूसरे को रंग लगाकर अपने साथी का चुनाव करते हैं। सांस्कृतिक उत्सव: आदिवासी पारंपरिक परिधानों (जैसे- लड़कियाँ पारंपरिक आभूषण और लड़के धोती-कुर्ता) में सजकर, बांसुरी और मांदल की थाप पर नृत्य करते हैं।

सात दिवसीय आयोजन: होली से पहले के सात दिनों में हर दिन एक अलग गाँव में हाट (बाजार) लगता है, जहाँ गुलाल के साथ होली की शुरुआत की जाती है।

ऐतिहासिक संदर्भ: इस मेले की शुरुआत का श्रेय राजा भोज के समय के दो भील राजाओं कासूमार और बालून को दिया जाता है। व्यापार: यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक बड़ा बाजार भी है जहाँ आदिवासी समुदाय अपनी जरूरत का सामान, रंग-बिरंगे परिधान और खाने-पीने की वस्तुएं खरीदते हैं।



भगोरिया उत्सव का रंग



चंद्रयान-4 को लेकर ISRO को मिली बड़ी सफलता

जीवन परिचय : चंद्रशेखर वेंकट रमन

चंद्रयान-4 को लेकर ISRO को मिली बड़ी सफलता, धरती पर वापस लौटेगा भारत का यह चंद्रयान-4 मिशन को लेकर ISRO को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसरो के स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (SAC) ने अब तक के सबसे कठिन मून मिशन के लिए लैंडिंग की जगह खोज ली है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लगभग 1 वर्ग किलोमीटर का पैच है जहाँ चंद्रयान-4 की सफल लैंडिंग करवाई जा सकती है। बता दें कि यह इसरो का पहला रिटर्न मिशन होगा। यानी चंद्रयान-4 को वापस धरती पर भी लाना है। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से भजी गई हाई रिजोल्यूशन तस्वीरों से इस जगह को खोजा है जहाँ चंद्रयान-4 को उतारा जा सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा अध्ययन अमिताभ के सुरेश, अजय के पाराशर, कनन वी अय्यर, अब्दुल एस, श्वेता वर्मा त्रिवेदी और नितांत दुबे ने की है। इस मिशन में प्रोपल्सन मॉड्यूल के अलावा डिसेंटर और असेंडर मॉड्यूल भी होंगे। इसके अलावा ट्रांसफर मॉड्यूल और रीएंट्री मॉड्यूल भी काम करेगा।

क्या होगी चंद्रयान-4 की खासियत -
यह मिशन भारत के लिए बहुत खास होने वाला है। इसका उद्देश्य चंद्रमा पर लैंडिंग करके मिट्टी और पत्थरों के सैंपल इकट्ठे करना और फिर वापस धरती पर लौटना है। इसरो का चंद्रयान -3 मिशन पूरी तरह से सफल हुआ था। इसके बाद इसरो ने यह कठिन कदम उठाने का फैसला किया है। चंद्रयान-4 अगर सफलतापूर्वक वापस लौटता है तो आगे मानव मिशन का भी रास्ता खुल जाएगा।

चंद्रयान-4 कहाँ उतरेगा -
वैज्ञानिकों ने ऑर्बिटर से भेजी गई तस्वीरों में से चार जगहों के बारे में अध्ययन किया था। इसमें एमएम-4 नाम की जगह को सुरक्षित पाया गया है। यह जगह नॉविस माउंटन पहाड़ी के पास है लेकिन समतल है। ऐसे में लैंडर को नुकसान पहुंचने का खतरा नहीं है। इस जगह पर सूरज की रोशनी भी अच्छी रहती है। ऐसे में लैंडिंग के लिए जगह उपयुक्त है। यहां बड़े गड्ढे ना होने की वजह से लैंडर को चलने में भी आसानी होगी। अब तक के अध्ययन से इतना स्पष्ट हो गया है कि इसी इलाके में चंद्रयान-4 को उतारा जाएगा। यह शिव-शक्ति पॉइंट से बहुत दूर नहीं है। वहीं इस इलाके में गड्ढों के पास अंधेरा रहता है। इसरो का कहना है कि इस इलाके में पानी या बर्फ के सैंपल भी मिल सकते हैं। इसके अलावा यहां से मिले सैंपल से चंद्रमा के निर्माण और यहां उपस्थिति संसाधनों के बारे में जानकारी मिलेगी।

पूरा नाम: चंद्रशेखर वेंकट रमन

जन्म: 7 नवंबर 1888, Tiruchirappalli

पिता का नाम: चंद्रशेखर अय्यर (वे गणित और भौतिकी के अध्यापक थे)

निधन: 21 नवंबर 1970

सी. वी. रमन भारत के महान वैज्ञानिकों में से एक थे।

बचपन से ही उन्हें पढ़ाई और विशेष रूप से विज्ञान में गहरी

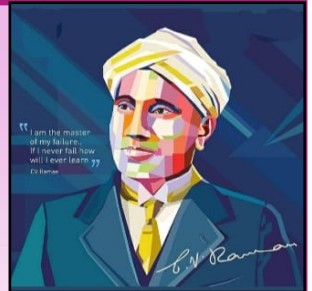
रुचि थी। वे अत्यंत प्रतिभाशाली छात्र थे और मात्र 16 वर्ष की आयु में बी.ए. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। आगे की पढ़ाई उन्होंने University of Madras से की और भौतिकी में उच्च स्थान प्राप्त किया।

शुरुआत में उन्होंने सरकारी नौकरी की, लेकिन उनका मन शोध कार्य में ही लगता था। बाद में वे University of Calcutta में प्रोफेसर बने और वहीं उन्होंने अपने महत्वपूर्ण शोध कार्य किए। सन् 1928 में उन्होंने “रमन प्रभाव” की खोज की। इस खोज में उन्होंने बताया कि जब प्रकाश की किरणें किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरती हैं, तो उनकी तरंगदैर्घ्य (wavelength) में परिवर्तन हो सकता है। यह खोज भौतिकी के क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि मानी गई।

इसी महान खोज के लिए उन्हें 1930 में Nobel Prize in Physics से सम्मानित किया गया। वे विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय और एशियाई वैज्ञानिक थे। बाद में उन्होंने Raman Research Institute की स्थापना की, जहाँ उन्होंने जीवन के अंतिम समय तक शोध कार्य जारी रखा। उनकी खोज की स्मृति में भारत में हर वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

।सी. वी. रमन का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि लगन, जिज्ञासा और मेहनत से हम विश्व स्तर पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। सी. वी. रमन को संगीत और ध्वनि विज्ञान में भी गहरी रुचि थी। उन्होंने वाद्य यंत्रों की ध्वनि पर भी शोध किया। वे मानते थे कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन से जुड़ा हुआ है।

1954 में Bharat Ratna से सम्मानित किया गया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।



राज्य परिचय : तमिलनाडु

तमिलनाडु भारत का दक्षिणी राज्य है, जो अपनी समृद्ध संस्कृति, मंदिरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। यहाँ राज्य का परिचय विभिन्न पहलुओं में दिया गया है।

भौगोलिक स्थिति- तमिलनाडु 8° से 13° उत्तरी अक्षांश और 76° से 80° पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है, जो बंगाल की खाड़ी से घिरा पूर्वी तट वाला राज्य है।

इसका क्षेत्रफल लगभग 1,30,058 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें पूर्वी मैदान, पश्चिमी घाट की पहाड़ियाँ जैसे नीलगिरि, अन्नामलाई और पालनी शामिल हैं।

जनसंख्या - 2025 में तमिलनाडु की जनसंख्या लगभग 77.222 मिलियन (7.72 करोड़) है, जो 2024 के 76.993 मिलियन से बढ़ी है। 2011 की जनगणना के अनुसार यह 7.21 करोड़ थी, जिसमें पुरुष और महिलाओं का अनुपात लगभग बराबर था।

भाषा - तमिलनाडु की आधिकारिक और प्रमुख भाषा तमिल है, जो द्रविड़ भाषा परिवार की सबसे पुरानी भाषा है। यह शास्त्रीय भाषा है और राज्य में व्यापक रूप से बोली जाती है।

नदियाँ - प्रमुख नदियाँ कावेरी, वैगई, भवानी, अमरावती और नोय्याल हैं, जो सिंचाई और जलविद्युत के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कावेरी को राज्य की जीवनरेखा कहा जाता है, जो कर्नाटक से आकर बंगाल की खाड़ी में मिलती है।

पर्यटन स्थल- प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में महाबलीपुरम के मंदिर, मदुरै का मीनाक्षी मंदिर, चेन्नई का मारिना बीच, ओटी के हिल स्टेशन और कुंबकोणम के मंदिर शामिल हैं। ये स्थान प्राचीन वास्तुकला, समुद्र तट और हिल स्टेशन के लिए आकर्षक हैं।

राज्य प्रतीक - राज्य पक्षी पन्ना कबूतर (एमराल्ड डोव) है, जो चमकीले हरे पंखों वाला होता है।

राज्य पशु - नीलगिरि तहर है, जो पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है।

नृत्य और संस्कृति - राज्य नृत्य भरतनाट्यम है, जो शास्त्रीय नृत्य रूप है। लोक नृत्य जैसे कावड़ी अट्टम, बम्बर और कारगम त्योहारों में लोकप्रिय हैं। संस्कृति में भव्य मंदिर, द्रविड़ वास्तुकला, त्योहार जैसे पोंगल और कला रूप प्रमुख हैं।

What's the Difference?

Say vs. Tell

You say something (a statement); you **tell** someone (a person + information).

• "She **said** hello." / "He **told** me the news."

Look vs. See

See is automatic (your eyes work); **look** means you try to see.

• "Look at the sky!" / "I can **see** the stars."

Travel vs. Trip

Travel is the general act of going places; a **trip** is one specific journey.

• "I love to **travel**." / "We went on a weekend **trip** to Paris."

Fun vs. Funny

Fun means enjoyable or entertaining; **funny** means it makes you laugh.

• "The party was really **fun**." / "That joke was so **funny**!"

Listen vs. Hear

Hear is passive (it happens automatically); **listen** is active (you do it on purpose).

• "Can you **hear** that noise?" / "I'm **listening** to music."

Job vs. Work

A **job** is a specific position (noun); **work** is the general activity you do (noun or verb).

• "She has a **job** at the bank." / "I **work** every weekday."

Each vs. Every

Each focuses on individual items; **every** focuses on the group as a whole.

• "Each student got a book." / "Every student passed the test."

Borrow vs. Lend

Borrow means you take something from someone; **lend** means you give something to someone.

• "Can I **borrow** your pen?" / "I will **lend** you my pen."

Speak vs. Talk

Speak is more formal or one-way; **talk** is casual and two-way.

• "May I **speak** with the manager?" / "Let's **talk** after class."

Still vs. Yet

Still means something is continuing; **yet** means something hasn't happened but is expected.

• "I'm **still** waiting." / "He hasn't arrived **yet**."

House vs. Home

A **house** is the building; **home** is the feeling or personal space.

• "We built a new **house**." / "This place feels like **home**."

Since vs. For

Since shows the starting point; **for** shows the length of time.

• "I've lived here **since** 2020." / "I've lived here **for** 3 years."

विचार

बातचीत हमेशा अच्छी ।

बहस हमेशा बुरी ॥



बातचीत जोड़ती हैं।

जबकि

बहस तोड़ती हैं ॥

बातचीत में समझदारी हैं।

जबकि

बहस में मूर्खता हैं ॥

बहस यह तय करती हैं,

कि कौन सही हैं ?



जबकि

बातचीत यह तय करती हैं,

कि सही क्या हैं ?

Find 3 differences



मध्य प्रदेश: एक विस्तृत परिचय (शैक्षिक इन्फोग्राफिक)

राज्य प्रतीक



राजकीय वृक्ष: बरगद



राजकीय पुष्प: सफेद लिली



मध्य प्रदेश दिवस: 1 नवंबर

भूगोल और तथ्य



क्षेत्रफल में दूसरा स्थान (भारत में)



व्यवसायिक राजधानी: इंदौर



देवास बैंक नोट के लिए प्रसिद्ध



10 संभाग



जानापाव चोटी

मालवा पठार का भाग



कर्क रेखा दो भागों में बांटती है



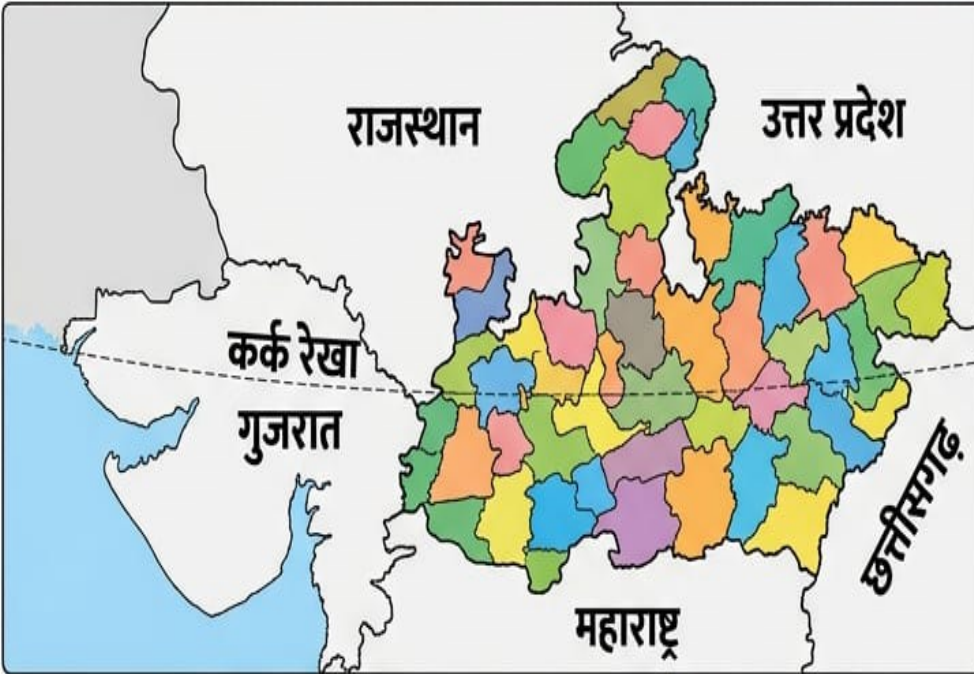
नदियां उत्तर-पश्चिम दिशा में



सबसे बड़ा अपवाह तंत्र गंगा-जमुना



धुआंधार जलप्रपात भेड़ाघाट जबलपुर में



इतिहास और स्मारक



• सांची स्तूप: सम्राट अशोक द्वारा



• उदयगिरि गुफाएं: विदिशा में



• खजुराहो विष्णु मंदिर: यशोवर्मन द्वारा



• तानसेन समारोह: ग्वालियर में



• ग्वालियर किला: सूरज सेन द्वारा 727 ईस्वी



• गोंड साहित्य 'रस मंजरी' भानुदत्त मिश्र द्वारा



• पन्ना शहर महाराजा छत्रसाल द्वारा स्थापित

प्रमुख व्यक्तित्व और वंश



• अहिल्याबाई: होलकर वंश से संबंधित



• सिंधिया वंश: राणोजी सिंधिया द्वारा स्थापित



• छत्रसाल की समाधि: धुबेला छतरपुर



• रानी दुर्गावती की समाधि: बरेला जबलपुर



• झांसी की रानी लक्ष्मीबाई



• चंद्रशेखर आजाद का जन्म भाबरा अलीराजपुर में



• 1857 संग्राम: प्रथम विद्रोह नीमच में

हमारे पर्व - होलिका दहन



होलिका दहन की पौराणिक कथा: बुराई पर अच्छाई की जीत होलिका दहन हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जो होली के एक दिन पहले फाल्गुन पूर्णिमा की पूर्व संध्या को मनाया जाता है। यह कथा भक्त प्रह्लाद, उनके पिता असुर राजा हिरण्यकशिपु और होलिका की है, जो भगवान विष्णु की भक्ति और अधर्म के नाश की कहानी बयान करती है। यह घटना भागवत पुराण और विष्णु पुराण में वर्णित है, जो अच्छाई की हमेशा जीत होती है, यह संदेश देती है।

हिरण्यकशिपु का अहंकार और वरदान-

प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नामक एक क्रूर असुर राजा था, जिसने कठोर तपस्या से भगवान ब्रह्मा को प्रसन्न किया। ब्रह्मा जी ने उसे वरदान दिया कि वह न तो मनुष्य या पशु से मरेगा, न दिन या रात में, न घर के अंदर या बाहर, और न ही किसी अस्त्र-शस्त्र से उसकी मृत्यु होगी। इस वरदान से अभिमानित होकर हिरण्यकशिपु ने स्वयं को भगवान घोषित कर दिया और अपने राज्य में भगवान विष्णु की पूजा पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। उसका पुत्र प्रह्लाद जन्म से ही विष्णु भक्त था, जो दिन-रात 'नारायण-नारायण' का जाप करता रहता। पिता के बार-बार समझाने पर भी प्रह्लाद नहीं माना, जिससे राजा का क्रोध चरम पर पहुंच गया।

प्रह्लाद पर अत्याचारों का दौर - हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद को मारने के अनेक प्रयास किए। उसे ऊंचे पहाड़ से धक्का दे दिया, विषैले सर्पों के बीच छोड़ दिया, मतवाले हाथियों के नीचे ठोक

दिया, समुद्र में डुबो दिया, लेकिन हर बार भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद सकुशल बच निकला। ये चमत्कार प्रह्लाद की भक्ति की शक्ति को दर्शाते हैं। हारकर हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका की शरण ली, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था—लेकिन शर्त यह थी कि वह अकेले आग में प्रवेश करे। होलिका ने छल से प्रह्लाद को अपनी गोद में बिठाकर विशाल चिता पर बैठने का नाटक रचा।

होलिका दहन का चमत्कार - चिता प्रज्वलित होते ही भक्त प्रह्लाद निर्भय होकर भगवान का नाम जपने लगा। तभी भगवान विष्णु ने दिव्य हस्तक्षेप किया—एक तेज आंधी चली और होलिका की रक्षा वाली चादर (या दुपट्टा) उड़कर प्रह्लाद के ऊपर आ गया। बुरे इरादे से वरदान का दुरुपयोग करने वाली होलिका आग में जलकर भस्म हो गई, जबकि प्रह्लाद बाल-बाल बच गया। यह दृश्य देखकर हिरण्यकशिपु का गुस्सा और भड़क गया।

नरसिंह अवतार और अधर्म का अंत - क्रोधित होकर हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से पूछा, "तुम्हारा विष्णु कहां है?" प्रह्लाद ने कहा, "वह हर जगह है, यहां तक कि इस खंभे में भी।" राजा ने खंभा ठोक दिया, तो भगवान विष्णु ने नरसिंह (आधा मनुष्य-आधा सिंह) रूप धारण किया। संध्या काल में, राजमहल के द्वार पर, नरसिंह ने हिरण्यकशिपु को अपनी गोद में उठाकर नाखूनों से विदीर्ण कर दिया—वरदान की सभी शर्तें पूरी करते हुए। इस प्रकार भक्ति की विजय हुई।

होलिका दहन का महत्व और परंपरा— होलिका दहन में चिता पर होलिका और प्रह्लाद के प्रतीक रखे जाते हैं, फिर अग्नि प्रज्वलित कर परिक्रमा की जाती है। लोग होलिका भस्म तिलक लगाते हैं, जो बुरी शक्तियों से रक्षा करती है। अगले दिन धुलेंदी पर रांगों से होली खेली जाती है। यह त्योहार वसंत का स्वागत भी करता है।

दशावतार - अष्टम अवतार श्रीकृष्ण

भगवान विष्णु का आठवाँ अवतार भगवान श्रीकृष्ण को माना जाता है। उनका जन्म द्वापर युग में हुआ था। गीता का उपदेश देकर मानवता को कर्म, भक्ति और ज्ञान का मार्ग दिखाया। श्रीकृष्ण के इस दिव्य

और गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाकर ब्रजवासियों की इंद्र के प्रकोप से रक्षा की। वे माखनचोर के रूप में भी प्रसिद्ध हुए। जब कृष्ण बड़े हुए, तो कंस ने उन्हें मारने के कई प्रयास किए, लेकिन



हर बार असफल रहा और अंत में कंस का वध करके, उन्होंने मथुरा को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया। महाभारत के युद्ध में कृष्ण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उन्होंने पांडवों और कौरवों के बीच हुए इस धर्म युद्ध में पांडवों का साथ दिया। युद्ध से पहले, जब अर्जुन अपने रिश्तेदारों के खिलाफ लड़ने से हिचकिचा रहे थे, तब कृष्ण ने उन्हें भगवद्गीता का उपदेश दिया। इस उपदेश में उन्होंने कर्म, धर्म, और भक्ति का ज्ञान दिया, जिसने अर्जुन को युद्ध के

अवतार का वर्णन मुख्यतः भागवत पुराण, महाभारत, और हरिवंश पुराण में मिलता है।

कथा अनुसार - श्री कृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में हुआ था। उनके माता-पिता देवकी और वासुदेव थे। देवकी के भाई, क्रूर राजा कंस, ने भविष्यवाणी सुनी थी कि देवकी की आठवीं संतान उसका वध करेगी। इस डर से, उसने देवकी और वासुदेव को कारागार में डाल दिया और उनकी छह संतानों को जन्म लेते ही मार डाला। जब कृष्ण का जन्म हुआ, तब एक चमत्कार हुआ और कारागार के द्वार खुल गए। वासुदेव बालक कृष्ण को रातों-रात गोकुल में अपने मित्र नंद और उनकी पत्नी यशोदा के पास छोड़ आए। गोकुल में, श्री कृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं से सभी को मोहित कर लिया। उन्होंने पूतना, अघासुर, बकासुर जैसे राक्षसों का वध किया

लिए प्रेरित किया। कृष्ण ने युद्ध के दौरान अर्जुन के सारथी बनकर उन्हें सही मार्ग दिखाया और धर्म की जीत सुनिश्चित की।

महाभारत युद्ध के बाद, कृष्ण ने अपनी द्वारका नगरी में शासन किया। उनके जीवन के अंतिम समय में, उनके यादव कुल में आपसी कलह और संघर्ष शुरू हो गया। अंत में, एक शिकारी के बाण से उनके पैर में चोट लगी, और उन्होंने अपना नश्वर शरीर त्याग दिया। इस घटना को महाप्रयाण के रूप में जाना जाता है, जिसके बाद कलियुग का आरंभ हुआ।

श्री कृष्ण न केवल एक राजा, बल्कि एक परम गुरु, मित्र और दार्शनिक और श्रेष्ठ कूटनीतिज्ञ भी थे।

साभार : स. प्रा. पूजा कुशवाह रसायनशास्त्र विभाग।

संपादन मंडल :

Patron - Dr. R. K. Patidar
Director, AIMS

Prof. Yashpal Vyas Ph. D.
Principal, AIMS

Asst. Prof. Neha Verma
Dept. of Botany, AIMS

Asst. Prof. Rani Sharma
Dept. of Computer Sc., AIMS

Asst. Prof. Payal Patidar
Dept. of Chemistry, AIMS

Asst. Prof. Vaishnavi Solanki
Dept. of Biotechnology, AIMS

Contributors:

Asst. Prof. Ritesh Gangle
Dept. of Chemistry, AIMS

Asst. Prof. Deepak Prajapat
Dept. of Computer Sc., AIMS